ध्येय पथ

अगस्त माह की गतिविधियाँ

(1) एक दिवसीय व्याख्यान

5 अगस्त 2017 को महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा एक दिवसीय व्याख्यान आयोजित किया गया जिसका विषय 'वर्तमान परिदृश्य में नाभिकीय संयत्रों की भूमिका' थी। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग के शोध–छात्र श्री अमित त्रिपाठी, श्री इन्द्रजीत कुमार तथा श्री राकेश त्रिपाठी उपस्थित थे। व्याख्यान की प्रस्ताविकी रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ0 अशुमान सिंह ने रखी।

(2) भारत छोड़ो आंदोलन तथा काकोरी कॉँड स्मृति दिवस

9 अगस्त 2017 को 1942 ई0 के ''भारत छोड़ो आंदोलन'' की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने उद्बोधन दिया तथा साथ ही साथ उसी दिन अर्थात् 9 अगस्त 1925 ई0 में घटित होने वाली महत्वपूर्ण क्रान्तिकारी घटना 'काकोरी कॉँड' पर महाविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रवक्ता डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए।

(3) खुदीराम बोस बलिदान दिवस

11 अगस्त 2017 को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी खुदीराम बोस बलिदान दिवस के अवसर पर प्रार्थना सभा में व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्राचीन इतिहास के प्रवक्ता इतिहास के प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र ने उद्बोधन दिया।

(4) अमर शहीद बन्धू सिंह बलिदान दिवस

12 अगस्त को महाविद्यालय में अमर शहीद बन्धू सिंह के बलिदान दिवस के अवसर पर प्रार्थना सभा में कार्यक्रम आयोजित हुआ। राजनीतिशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

(5) अखण्ड भारत स्मृति दिवस

13 अगस्त 2017 को भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर आयोजित अखण्ड भारत स्मृति दिवस पर 'भारत विभाजन की परिस्थितियाँ' विषय पर मुख्य अतिथि बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में राजनीतिशास्त्र के आचार्य एवं प्रतिष्ठित चिंतक–विचारक प्रो0 तेज प्रताप सिंह का व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ0 प्रदीप कुमार राव द्वारा की गई।

(6) स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त 2017 को महाविद्यालय में प्रतिवर्ष की भाँति देश का 71वाँ स्वतंत्रता दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्राचार्य ने परम्परागत रूप से अपने उद्बोधन में महाविद्यालय की वार्षिक योजना प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय के प्रयत्नों को ही शहीदो को श्रद्धांजलि स्वरूप भेंट की।

(7) सप्त दिवसीय राष्ट्र संत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला

उद्घाटन समारोह

17 से 23 अगस्त 2017 तक महाविद्यालय में आयोजित होने वाला राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्त दिवसीय व्याख्यान माला का उद्घाटन कार्यक्रम 17 अगस्त 2017 को सम्पन्न हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो0 विजय कृष्ण सिंह, कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, मुख्य वक्ता प्रो0 हरिकेश सिंह, कुलपति, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा बिहार का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो0 राम अचल सिंह पूर्व कुलपति, राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद ने की।

18 अगस्त 2017 को व्याख्यान–माला के दूसरे दिन आई केयर इण्डिया लखनऊ के श्री यू0पी0 त्रिपाठी ने 'जीवन कौशल' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की दूसरी वक्ता महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ0 आरती सिंह ने 'मैथिलियशरण गुप्त के काव्य में 'राष्ट्रीय चेतना' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ0 यशवन्त कुमार राव ने की।

19 अगस्त 2017, सप्तदिवसीय व्याख्यान माला के तीसरे दिन 'भारत की शिक्षानीति और महन्त दिग्विजयनाथ' विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के पूर्व सदस्य सचिव डॉ0 मानेन्द्र प्रताप सिंह जी उपस्थित थे। कार्यक्रम में विशिष्ट व्याख्यान महाविद्यालय के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 विजय कुमार चौधरी द्वारा 'पर्यावरण' विषय पर प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य विभाग की प्रवक्ता सुश्री प्रगति पाण्डेय ने किया।

20 अगस्त 2017 को सप्तदिवसीय राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ समृति व्याख्यान माला के चौथे दिन

सहायक आयुक्त राज्य कर देवरिया के श्री मृत्युंजय कुमार सिंह ने 'जी.एस.टी.–एक परिचय' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गया विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के आचार्य डॉ0 महेश शरण, दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज के बी.एड. विभाग के आचार्य एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 रामशरण शाही सहित महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

21 अगस्त 2017, व्याख्यान माला के पॉचवे दिन ''भारतीय संस्कृतिः अवधारणा एवं महत्व'' विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ। इस अवसर पर प्रकाशन व्यवस्थापक, गीताप्रेस, गोरखपुर के डॉ0 लालमणि तिवारी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के बी.एड. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षण प्रशिक्षण की उपयोगिता' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

22 अगस्त 2017, सप्तदिवसीय व्याख्यान माला के छठे दिन, ''राष्ट्र की अवधारणा' विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप प्रज्ञा–प्रवाह उत्तर प्रदेश, झारखंड एवं बिहार के संयोजक श्री रामाशीष सिंह जी उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रांत प्रचारक श्री मुकेश खांडेकर, सह प्रांत प्रचारक श्री सुभाष, श्री कौस्तुक नारायण मिश्र सहित अन्य शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

समापन समारोह

23 अगस्त 2017 को महाविद्यालय में आयोजित सप्तदिवसीय राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान–माला के समापन समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के कुलपति प्रो0 योगेन्द्र सिंह थे। इस अवसर पर अध्यक्ष के रूप में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रो0 उदय प्रताप सिंह, मुख्य वक्ता के रूप में राम मनोहर लोहिया अवध

विश्वविद्यालय फैजाबाद के पूर्व कुलपति प्रो0 रामअचल सिंह तथा विशिष्ट अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो0 विनोद कुमार सिंह एवं मगध विश्वविद्यालय बोध गया, बिहार के पूर्व आचार्य डॉ0 महेश कुमार शरण उपस्थित थे।

बाढ़ राहत कार्य (21 अगस्त से 24 अगस्त 2017 तक)

महाविद्यालय के शिक्षक के नेतृत्व में 10–10 विद्यार्थियों की छः टीमों ने जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे बाढ़ राहत केन्द्रों पर सहयोग किया। छः टीमों की सूची निम्नलिखित हैं–

1. डॉ0 विजय कुमार चौधरी (विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग)

नौसढ़ चौराहे पर श्री दीपक कुमार सिंह, श्री अमित कुमार श्रीवास्तव, श्री माघवेन्द्र मिश्रा, श्री किशन सिंह, श्री अंकित तिवारी, श्री अभिषेक मद्धेशिया, श्री दीशान्त श्रीवास्तव, श्री अरूण साहनी, श्री धनंजय कुमार विश्वकर्मा के साथ।

2. डॉ0 शिव कुमार बर्नवाल (विभागाध्यक्ष, रसायन विभाग)

प्राथमिक पाठशाला सिक्टौर पर, सोमनाथ कनौजिया, देवेन्द्र पाण्डेय, शैलेश चौहान, ऋषिकेश मिश्रा, नितेश पाल, अश्वनी प्रजापति, अरविन्द्र शर्मा के साथ।

3. डॉ0 राम सहाय (सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान) के साथ श्री रविप्रताप नागवंशी, श्री पंकज कुमार चौहान, श्री अनिल कुमार चौहान, श्री अविनाश कुमार प्रजापति, श्री शैलेन्द्र प्रजापति, श्री अविनाश निषाद, श्री सुनील कुमार सिंह, श्री अभिषेक जायसवाल, श्री आकाश गुप्ता, श्री अश्विनी पाण्डेय विद्यार्थी प्राथमिक विद्यालय बड़गो, खोराबार पर।

4. श्री अभिषेक वर्मा (सहायक आचार्य, भौतिकी विभाग) के साथ श्री सुशील कुमार सिंह, श्री रंजन कुमार प्रजापति, श्री अमरनाथ पाण्डेय, श्री सत्यप्रकाश, श्री दीपक प्रजापति, श्री अजय यादव, श्री आकाश प्रजापति, श्री गौरव जायसवाल, श्री जयप्रकाश शर्मा प्राथमिक विद्यालय इलाहीबाग, गोरखपुर पर।

5. श्री नन्दन शर्मा (सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग) के साथ श्री कृष्णा नन्द तिवारी, श्री विवेक विश्वकर्मा, श्री सुधीर सिंह, श्री संदीप तिवारी, श्री अनुपम कुमार, श्री सत्यप्रकाश पाण्डेय, श्री रमन कुमार, श्री विवेक कुशवाहा विद्यार्थी डुमरी शिवमंदिर, खोराबार पर।

6. श्री संजय जायसवाल (सहायक आचार्य, रसायनशास्त्र विभाग) के साथ श्री राहुल गिरि, श्री मनीष कुमार शर्मा, श्री सुध ीर कुशवाहा, श्री रविप्रकाश मिश्र, श्री सुधांशु, श्री सूर्य भूषण प्रताप, श्री सौरभ जायसवाल, श्री सूर्यप्रताप सिंह, श्री आयुष पाल एवं श्री प्रभात शेखर आजाद, प्राथमिक सिक्टौर केन्द्र पर।

देश की स्वच्छता रैंकिंग में 170 विश्वविद्यालयों–महाविद्यालयों में महाविद्यालय भी

25 अगस्त 2017 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा देश भर के विश्वविद्यालयों – महाविद्यालयों में 'स्वच्छता रैंकिंग ऑफ हायर एजुकेशनल इन्स्टीट्यूशन्स' के अन्तर्गत चयनित 170 विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ ने भी अपना स्थान बनाया है। देश भर से 2600 से अधिक विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के मूल्यांकन के बाद 170 कॉलेजों को स्वच्छता रैंकिंग हेतु चुना गया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा गठित तीन सदस्यीय समिति ने महाविद्यालय का निरीक्षण किया।

जौहर दिवस

26 अगस्त 2017 को प्रार्थना सभा में भारत की वीरांगनाओं के गौरवपूर्ण इतिहास के क्रम में रानी पद्मिनी के त्याग और बलिदान की कहानी का जौहर दिवस के अवसर पर राजनीतिशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह ने भारत के इस गौरवगाथा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में सभी शिक्षक कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहें।

स्ववित्तपोषित महाविद्यालय प्राचार्य सम्मेलन

27 अगस्त 2017 को महाविद्यालय में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों का सम्मेलन उच्च शिक्षा में गुणवत्ता विषय पर आयोजित हुई।

छात्रसंघ चुनाव : कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव

28 अगस्त 2017, को छात्रसंघ के अंतर्गत कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव संपन्न हुआ जिसमें सभी 81 में से 75 कक्षा प्रतिनिधी चुने गए। 6 पदों पर अभ्यर्थी न होने के कारण चुनाव नहीं हो पाया। कक्षा प्रतिनिधि चुनाव उपरान्त छात्रसंघ के विभिन्न पद हेतु पर्चा दाखिला हुआ। अध्यक्ष पद पर 03, उपाध्यक्ष पद पर 06, महामंत्री पद पर 02 तथा पुस्तकालय मंत्री पर 02 प्रतिनिधियों ने पर्चा दाखिल किया।

छात्रसंघ चुनाव : योग्यता भाषण

29 अगस्त 2017 को महाविद्यालय में छात्र संघ चुनाव के योग्यता भाषण का आयोजन हुआ। योग्यता भाषण में अध्यक्ष पद के लिए श्री राहुल गिरि, श्री दीपक कुमार सिंह तथा श्री आकाश चौबे ने, उपाध्यक्ष पद के लिए श्री अनिल कुमार चौहान, सुश्री प्रियंका दूबे, श्री सैफ खॉ, श्री आशुतोष चौहान, श्री प्रशांत कुमार तथा सुश्री रिंकी चौहान ने, महामंत्री पद के लिए श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह तथा श्री रवि प्रताप नागवंशी तथा पुस्तकालय मंत्री पद हेतु श्री आशीष कुमार उपाध्याय तथा श्री विवेक कुमार विश्वकर्मा ने अपने लिए मतदान की अपील की। संचालन चुनाव प्रभारी श्री नन्दन शर्मा द्वारा किया गया।

विशिष्ट व्याख्यान : हिन्दी विभाग

29 अगस्त 2017 को हिन्दी विभाग द्वारा एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता प्रो० अनन्त मिश्र पूर्व विभागाध्यक्ष 'हिन्दी विभाग' दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर ने "हिन्दी साहित्य में पाठकों की समस्या" विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ० आरती सिंह ने किया। कार्यक्रम में हिन्दी विभाग के सभी छात्र–छात्रायें उपस्थित थे।

छात्रसंघ चुनाव 2017

30 अगस्त 2017 को महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव का आयोजन किया गया। इसमें कुल 793 विद्यार्थियों ने मतदान किया। चुनाव में अध्यक्ष पद पर बी.ए. द्वितीय वर्ष के छात्र श्री राहुल गिरी, उपाध्यक्ष पद पर एम.काम. प्रथम वर्ष की सुश्री प्रियंका दूबे, महामंत्री पद पर बी.ए. तृतीय वर्ष के श्री रविप्रताप नागवंशी तथा पुस्तकालय मंत्री पर बी.ए. भाग दो के श्री विवेक कुमार विश्वकर्मा विजयी रहे।